FOCUS ACADEMY.

Ahmedabad 9099818013 8780038581.

Tuition Classes for primary, 9 to 12, English& Gujarati Medium.

हिंदी निबंध

❖ आदर्श विद्यार्थी.

विद्यार्थी जीवन को मनुष्य के जीवन की आधारशिला कहा जाता है । इस समय वह जिन गुणों व अवगुणों को अपनाता है वही आगे चलकर चरित्र का निर्माण करते हैं । अत: विद्यार्थी जीवन सभी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है ।

एक आदर्श विद्यार्थी वह है जो परिश्रम और लगन से अध्ययन करता है तथा सद्गुणों को अपनाकर स्वयं का ही नहीं अपितु अपने माँ-बाप व विद्यालय का नाम ऊँचा करता है । वह अपने पीछे ऐसे उदाहरण छोड़ जाता है जो अन्य विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय बन जाते हैं ।

एक आदर्श विद्यार्थी सदैव पुस्तकों को ही अपना सबसे अच्छा मित्र समझता है । वह पूरी लगन और परिश्रम से उन पुस्तकों का अध्ययन करता है जो जीवन निर्माण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं । इन उपयोगी पुस्तकों में उसके विषय की पुस्तकों के अतिरिक्त वे पुस्तकें भी हो सकती हैं जिनमें सामान्य ज्ञान आधुनिक जगत की नवीनतम जानकारियाँ तथा अन्य उपयोगी बातें भो होती हैं ।

एक आदर्श विद्यार्थी सदैव परिश्रम को ही पूरा महत्व देता है । वह परिश्रम को ही सफलता की कुंजी मानता है क्योंकि प्रसिद्ध उक्ति है:

"उद्यमेन ही सिद्धयंति कार्याणि न मनोरथे,

न हि सुप्तस्य सिहंस्य प्रविशंति मुखे मृगा: ।"

❖ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी महान भारतीय नेता सरदार वल्लभभाई पटेल जी की मूर्ति है, जो स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री थे। सरदार पटेल जी को भारत के लौह पुरुष के रूप में भी जाना जाता है। इन्होनें भारत की एकीकरण/एकता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी विश्व की सबसे ऊँची मूर्ति है। इसकी लम्बाई/ऊँचाई 182 मीटर

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

(597 फीट) है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भारत की राष्ट्रीय एकता का प्रतिक है। यह प्रतिमा भारत के गुजरात राज्य में स्थित है। सरदार पटेल जी के जन्मदिवस पर 31 अक्टूबर 2013 को श्री नरेन्द्र मोदी जी नें स्मारक निर्माण का शिलान्यास किया और प्रतिमा बनने के बाद इसका उद्घाटन 31 अक्टूबर 2018 को सरदार पटेल जी के 143 वें जन्मदिवस पर किया था।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण लार्सन एंड टुब्रो द्वारा शुरू किया गया था और इसका डिजाइन राम वी. सुतार नें किया था। इस विशाल प्रतिमा का निर्माण कार्य 31 अक्टूबर 2013 को शुरू हुआ और 2018 के मध्य में यह प्रतिमा बनकर तैयार हो गया था। इस प्रतिमा को बनाने में लगभग 3000 करोड़ की लागत आई थी। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को लोहे, इस्पात, कंक्रीट, कस्य आदि सामग्रियों से बनाया गया है। इसे पूर्ण होने में लगभग 5 वर्ष का समय लगा था।

गुजरात सरकार नें 2010 को इस परियोजना की घोषणा की थी। इस अभियान का नाम "स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अभियान" दिया गया। स्मारक को बनाने के लिए देश भर के किसानों से लोहा जुटाने का लक्ष्य रखा गया। अभियान को देखते हुए भारत के किसानों ने लगभग 5,000 मीट्रिक टन लोहा दान में दिया। इस अभियान को सफल बनाने के लिए और लोगों को शामिल करने के लिए 15 दिसम्बर 2013 को "रन फॉर यूनिटी" नामक मैराथन भी पुरे भारत में आयोजित किया गया था, जिसमें देश की एकता को बनाए रखनें के लिए हज़ारों की संख्या में लोगों नें इस मैराथन में भाग लिया.

स्वतंत्रता मिलनें के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल जी नें देशी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत का निर्माण किया था और उनके इस कार्य/योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। सरदार पटेल जी नें 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण/एकीकरण करके भारतीय एकता का निर्माण किया था।

❖ एक ग़रीब की आत्मकथा...

मुझे चुनाव का मौसम बहोत पसंद है. मैं चाहता हूं कि काश चुनाव का मौसम हर छठे-चौमासे आता रहे. तमाम नेताओं को तभीच मेरी याद आती है. इस बार तो मुझे नया, चमचमाता स्मार्टफोन मिलने वाला है. पिछली बार मैं तमिलनाडु में था तो मुझे रंगीन टीवी मिला था. घड़ियों, साड़ियों, सौ-सौ के नोटों की सौगात हम गरीब गुरबों को चुनावों के दौरान ही तो मिलता है तो फिर चुनाव हरदम हर समय होते ही रहना चाहिए कि नहीं. जैसे ही इधर एक चुनाव गुजरे, उधर दूसरा चालू हो जाना चाहिए. तभी हम गरीबों पर लोगों का ध्यान जाएगा. वरना हम क्या खा पी पहन रहे हैं, कैसे जीवनयापन कर रहे हैं उसका पता किसी को भी नहीं चलता.

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

पिछले चुनाव में चाउर वाले बाबा ने हमें दो रुपए किलो चावल का वादा किया था. इस बार हमें उम्मीद थी कि एक रूपया किलो तो कर ही देगा. चलो कोई बात नहीं, अगले चुनाव में तो हो ही जाएगा. अगले चुनाव के लिए कुछ बचा के रखना है कि नहीं. हम तो सपना देख रहे हैं कि किसी न किसी चुनाव में किसी इलेक्शन मेनिफेस्टों में अप्रत्यक्ष रूप से कहा जाएगा – अबे गरीब, तू गरीब का गरीब रह. बस तू हमें और हमारी पार्टी को वोट देता रह. हम तुम्हें मुफ़्त में चावल-दाल-आटा तो देंगे ही, खाली स्मार्ट फोन क्या – हम उसमें समय समय पर टाक टाइम भी डलवा कर देते रहेंगे.

वो तो बुरा हो चुनाव आयोग का जो जबरन जबरदस्ती ज्यास्ती में नेताओं की नकेल कसता रहता है. सबसे बड़ा गरीबों का दुस्मन है वो. उसे गरीबों में खुसहाली आती अच्छी नहीं लगती. चुनाव आयोग का सिस्टम बदल देना चाहिए. आचार संहिता को फाड़ के फेंक देना चाहिए. ये नहीं होते तो - पिछले कई चुनावों से लेकर अब तक -हम गरीबों की हालत कुछ और ही होती.

लोगबाग कहते हैं कि साला गरीब नोट लेकर वोट देता है. घड़ी और साड़ी लेकर ईवीएम का बटन दबाता है. रात में मुफ़्त की दारू पीकर सुबे में उसको वोट दे आता है जो उसे दारू पिलाता है. ठीक है, पर ये बताओ भइये कि नागनाथ और सांपनाथ में ही जब चुनना है तो उसको वोट क्यों नहीं दें जो कुछ खिलाता पिलाता है. इलेक्सन जीतकर फिर खुद खाएगा पिएगा, और अगले चुनाव में फिर हमें जादा खिलाएगा पिलाएगा खैरात बांटेगा. तो हम ऐसे ही लोगन को तो चुनेगा न!

अबकी चुनाव में सुनेला है कि हर कोई पीएम इन वेटिंग हो गया है. क्या आडवानी, क्या माया. पवार से लेकर पासवान और जया अम्मा से लेकर मेरी झुग्गी की लाइन का पार्सद जयराम बाबू. मैं भी सोचता है साला क्यों न मैं भी पीएम इन वेटिंग बन जाऊं. सोचने में क्या जाता है? वैसे भी अपनी फिल्लम में साहरूख भाई ने कहा है – यदि किसी चीज को शिद्दत से चाहोगे तो विश्व की तमाम शक्तियाँ आपके स्वप्न को पूरा करने का षडयंत्र करेंगी. वैसे तो अपुन इधर गरीबइच ठीक है, अमीरों के लफड़े अपने को नईं सुहाते, फेर पीएम इन वेटिंग की बात अलग है. एकाध चुनाव जीत जाने की बात अलग है...

❖ मनोरंजन के आधुनिक साधन.

मनुष्य दिन भर शारीरिक व् मानसिक श्रम करके थक जाता है | वह इस थकान को मनोरंजन के द्वारा दूर करना चाहता है | दैनिक जीवन के विभिन्न कार्यकलापो में उसे अनेक प्रकार की उलझने, निराशा और नीरसता का सामना करना पड़ता है | इन सभी को समाप्त करने के लिए तथा मन की एकाग्रता के लिए मनोरंजन के साधनों का होना आवश्यक है | जिस प्रकार मनुष्य को शरीर के लिए भोजन की आवश्यकता होती है उसी प्रकार मन को स्वस्थ रखने के लिए मनोरंजन की आवश्यकता होती है |

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

प्रत्येक व्यक्ति की रूचि भिन्न प्रकार की होती है | अंत : वह अपनी रूचि के अनुसार ही मनोरंजन के साधनों की खोज करता रहता है | कुछ व्यक्ति अपना मनोरजन केवल पुस्तके पढकर, रेडियो सुनकर व् टेलीविजन देखकर ही कर लेते है जब की दुसरे व्यक्ति सिनेमा , खेलकूद, बागवानी, कवि सम्मेलन व भ्रमण द्वारा मनोरंजन करना अच्छा समझते है | समय के परिवर्तन से भी मनोरंजन के साधनों में बदलाव आया है | पुरातन काल में मनुष्य तीर्थ यात्राएँ करके या प्रकृति का आनन्द लेकर ही मनोरंजन कर लेता था |

आधुनिक युग में मनुष्य कम समय में अधिक मनोरंजन चाहने लगा है | विज्ञान की प्रगति के कारण आज अनेक ऐसे साधन उपलब्ध हो गए है, जैसे रेडियो , दूरदर्शन , चित्रपट , ट्रांजिस्टर आदि | रेडियो द्वारा जिन कार्यक्रमों को सुनकर हम आनन्द प्राप्त करते है , दूरदर्शन द्वारा उन्ही कार्यक्रमों को अपनी दृष्टि से देखकर उनका अधिक आनन्द उठाते है | क्रिकेट, हाकी, फुटबाल, टेनिस, कबड्डी आदि खेलो से खिलाडी और दर्शको का घर से बाहर मैदान में अच्छा मनोरंजन हो जाता है | ये खेल मनोरंजन के साथ-साथ स्वास्थ्यवर्धक भी है | शतरंज, चौपड़, ताश, कैरम, साप-सीढी, जूडो आदि अनेक ऐसे खेल है जिनसे घर में बैठे रह कर मनोरंजन किया जा सकता है | अच्छे साहित्य का अध्ययन भी घरेलू मनोरंजन का श्रेष्ठ साधन है |

❖ विज्ञान-वरदान या अभिशाप.

आज का युग विज्ञान का युग कहलाता है और विज्ञान के द्वारा दिन प्रतिदिन की जाने वाली टेक्नोलॉजी मनुष्य को और अधिक सुविधाजनक बना रही है। लेकिन इस सुविधा के साथ-साथ मनुष्य को कई प्रकार की समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है।

जिस विज्ञान की वजह से आज इतने मोटर और वाहन संपन्न हुए हैं, उनका सदुपयोग बहुत है। कई घंटों चलने पर व्यक्ति जहां पहुंचता था, वह आज के समय में मिनटों में पहुंच सकता है। लेकिन उन वाहनों की वजह से होने वाला प्रदूषण दिन प्रतिदिन मनुष्य के लिए खतरनाक साबित हो रहा है और मनुष्य को कई परेशानियां इसकी वजह से उठानी पड़ रही है।

पुराने इतिहास को यदि खंगाला जाए तो मनुष्य जानवरों की तरह रहता था। लेकिन आज की मनुष्य की लाइफ स्टाइल पूरी तरह से बदल गई है, इसके पीछे विज्ञान का ही हाथ है। विज्ञान दिन प्रतिदिन आधुनिक युग को बढ़ा रहा है। विज्ञान के कारण मनुष्य की पूरी जिंदगी बदल चुकी है।

पुराने जमाने में लोग एक जगह से दूसरी जगह अपने मन के विचार किसी के सामने व्यक्त करने के लिए खत और लेटर का प्रयोग करते थे, जिसे पहुंचने में 10 से 15 दिन लगते थे। लेकिन संचार के क्षेत्र में विज्ञान की तरक्की ने सबके हाथ में एक स्मार्टफोन पकड़ा दिया है,

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

जिसके जरिए व्यक्ति अपनी बात एक सैकेंड में किसी दूसरे के सामने बयां कर सकता है और उसे फेस टू फेस वीडियो कॉल के जरिए देख भी सकता है।

लेकिन दूसरी तरफ ही संचार के साधन के विकास से आकाश में तरंगों की संख्या में वृद्धि हुई और इन तरंगों ने मधुमक्खी और पक्षियों के जीवन को खतरे में डाल दिया है।

❖ जल ही सबका बल.

जल के अनेक उपयोगों में सबसे महत्वपूर्ण है पेयजल । घरेलू उपयोग का जल भी पेयजल जैसी शुद्धता का होना आवश्यक माना गया है । मगर पेयजल की प्रति व्यक्ति उपलब्धता हमारे देश में दिनोंदिन घटती जा रही है । जल के भूमिगत स्त्रोतों के स्तर में ट्यूबवेलों की बढ़ती संख्या तथा जल संग्रहण की ठीक प्रणाली न होने के कारण स्थाई गिरावट दर्ज की गई है । पहले लोग नदियों का जल बेधड़क पी लिया करते थे परंतु आज स्थितियाँ पूरी तरह बदल गई हैं ।

शहर के निकट की नदी या झील में उस शहर का सारा गंदा पानी बेहिचक उड़ेल दिया जाता है जिससे प्रदूषण के साथ-साथ झीलों और सरोवरों के छिछलेपन की समस्या भी उत्पन्न हो गई है । जल प्रदूषण के कारण जल के विभिन्न भंडारों के जलजीवों का जीवित रह पाना भी कठिन होता जा रहा है ।

गरीब और जनसंख्या बहुल देशों में तो जल की समस्या और भी जटिल रूप में है । ये देश जल का उपयोग तो बढ़ा रहे हैं लेकिन जल संचय और इसके रखरखाव में जो धन चाहिए वह इनके पास नहीं है ।

हमारे देश के जलसंकट को दूर करने के लिए दूरगामी समाधान के रूप में विभिन्न बड़ी नदियों को आपस में जोड़ने की बातें कही गई हैं । इसका बहुत लाभ मिलेगा क्योंकि नदियों का जल जो बहकर सागर जल में विलीन हो जाता है, तब हम उसका भरपूर उपयोग कर सकते है ।

❖ मेरा शौक.

आज हमारा जीवन अपने कार्यो की उलझन के कारण जीवन हमेशा शंकाओ और तनावपुर्ण रहता है. इसलिए हर व्यक्ति अपने फ्री समय में कुछ न कुछ शौक रखता है. जो उसका सबसे बड़ा मनोरंजन का साधन होता है.

हर व्यक्ति की कुछ न कुछ होबिस होती है. एक व्यक्ति की कुछ भी रूचिया हो सकती है. जिसमे किताबे पढना, खेलना तथा परोपकार करना भी हो सकता है.

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

हमारी रुचियाँ हमारा चरित्र दर्शाती है. तथा हमारे मन के भावो को प्रकट करती है. वे कार्य जिसे करने में हमें आनंद आता है. तथा जीवन के सभी दुःख भूल जाते है. वह हमारे शौक होते है.

आज के अधिकांश लोगो की रूचिया मोबाइल बन गई है. जो इस दुनिया से बाहर ही नहीं निकल पाते है. इसलिए हमें ऐसे शौक को दूर करने का प्रयास करना चाहिए.

हमारे दैनिक जीवन की वे विधिया जिन्हें हम ज्यादा करना चाहते है. वह हमारा शौक होता है. या जिस कार्य को करने में हमारी रूचि होती है.

आज के ज़माने में देखा जाए तो कई लगो के शौक फ़ोन देखना टीवी देखना आदि होते है. पर मेरा शौक इनसे कुछ भिन्न है. मै हर समय किताबे पढ़ना तथा खाली समय में खेलना पसंद करता हूँ. और मै सबसे ज्यादा शौक नई-नई किताबे पढ़ने में रखता हूँ.

मेरे दादाजी किताबे पढ़ना पसंद करते थे. वे जो भी नई किताब बाजार में आती मेरे दादाजी उसे लेकर आते थे. इसी कारण में मेरे दादाजी के साथ रहकर किताबे पढ़ना सिख गया.

और दादाजी की तरह ही बचपन से ही किताबो में उलझा रहता था. इसलिए मेरा दादाजी बहुत सहयोग करते थे. जो भी नई किताब आती वो मेरे लिए लाते थे. दूसरा मेरा शौक खेलना का था.

वह मेरा शौक मेरे बड़े भाई से मुझमे दिखने लगा. मै जब छोटा था. तब मेरा भाई बहुत खेला करता था. मै भी उनके साथ खेलता था. हालंकि मै बहुत छोटा था. फिर भी मै उनके साथ खड़ा रहता तथा उनके खेल को बारीकी से देखता था.

- **माँ**

किसी के भी जीवन में एक माँ पहली, सर्वश्रेष्ठ और सबसे अच्छी व महत्त्वपूर्ण होती है क्योंकि कोई भी उसके जैसा सच्चा और वास्तविक नहीं हो सकता। वो एकमात्र ऐसी है जो हमेशा हमारे अच्छे और बुरे समय में साथ रहती है। अपने जीवन में दूसरों से ज्यादा वो हमेशा हमारा ध्यान रखती है और प्यार करती है जितना कि हम काबिल नहीं होते है। अपने जीवन मे वो हमें पहली प्राथमिकता देती है और हमारे बुरे समय में उम्मीद की झलक देती है। जिस दिन हम पैदा होते है वो माँ ही होती है जो सच में बहुत खुश हो जाती है। वो हमारे हर सुख-दुख का कारण जानती है और कोशिश करती है कि हम हमेशा खुश रहें।

माँ और बच्चों के बीच में यहाँ एक खास बंधन होता है जो कभी खत्म नहीं हो सकता है। कोई

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

माँ कभी भी अपने प्यार और परवरिश को अपने बच्चे के लिये कम नहीं करती और हमेशा अपने हर बच्चे को बराबर प्यार करती है लेकिन उनके बुढ़ापे में हम सभी बच्चे मिलकर भी उसे थोड़ा सा प्यार नहीं दे पाते है। इसके बावजूद वो हमें कभी गलत नहीं समझती और हमेशा एक छोटे बच्चे की तरह माफ कर देती है। वो हमारी हर बात को समझती और हम उसे बेवकूफ नहीं बना सकते है।

वो नहीं चाहती कि हमें किसी दूसरे से तकलीफ पहुँचे और दूसरों से अच्छा व्यवहार करने की सीख देती है। माँ को धन्यवाद देने और आदर के लिये हर साल 5 मई को मातृ दिवस के रुप में मनाया जाता है। हमारे जीवन में माँ के रुप में कोई भी नहीं हो सकता है। हम भी हमेशा पूरे जीवन भर अपने माँ का ख्याल रखते है।

❖ मेरा प्रिय नेता-बापू

मेरे प्रिय नेता महात्मा गांधी जी हैं। महात्मा गाँधी जी का पूरा नाम मोहनदास करमचंद गाँधी था। महात्मा गाँधी का जन्म 2 अक्टूबर सन 1869 में पोरबन्दर में हुआ था। मैट्रिक परीक्षा पास करने के बाद वह उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैण्ड गए। वहां से लौटने पर उन्होंने वकालत प्रारंभ क़ी।

गाँधी जी का सार्वजानिक जीवन दक्षिण अफ्रीका में प्रारंभ हुआ। उन्होंने भारतीयों क़ी सहायता क़ी। उन्होंने सत्याग्रह आन्दोलन प्रारंभ किया। उन्होंने अनेक कष्ट सहे। उनको अपमानित किया गया। अंत में उन्हें सफलता मिली।

गाँधी जी भारत वापस आये और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। वह कई बार जेल गए। अब सारा देश उनके साथ था। लोग उन्हें राष्ट्रपिता कहने लगे। अंत में भारत को 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

गाँधी जी सादा जीवन बिताते थे। वह 'सादा जीवन, उच्च विचार' को मानने वाले थे। उन्होंने हमको 'अहिंसा' का पाठ पढ़ाया। वह एक समाज सुधारक थे। उन्होंने छुआ-छूत को दूर करने का प्रयत्न किया। उन्होंने गॉवों कि दशा सुधारने का पूरा प्रयत्न किया। उन्हें भारत के 'राष्ट्रपिता' के रूप में जाना जाता है।

❖ *भ्रष्टाचार - शिक्षा का कैंसर.*

शिक्षा में भ्रष्टाचार से समाज की भलाई को खतरा है क्योंकि यह सामाजिक विश्वास को नष्ट करता है, असमानता को बदतर करता है, और बच्चों को अनैतिक व्यवहार के लिए उजागर करता है। यह भविष्य के नेतृत्व और श्रम शक्ति के लिए शिक्षित, सक्षम और नैतिक व्यक्तियों के गठन को कम करके विकास को तोड़फोड़ करता है।

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)

भ्रष्ट शिक्षा परिणामों में भ्रष्टाचार का योगदान है। स्कूल फंडों का गबन या डायवर्जन संसाधनों के पहले से ही कम हो चुके स्कूलों से वंचित करता है। नेपोटिज्म और पक्षपात के कारण खराब योग्य शिक्षकों को काम पर रखा जा सकता है, जबकि बोली-प्रक्रिया में पाठ्यपुस्तकों और अवर गुणवत्ता की आपूर्ति हो सकती है। जिन बच्चों को शिक्षकों द्वारा सेक्स के लिए परेशान किया जाता है, वे स्कूल से बाहर निकल सकते हैं। जब परिवारों को मुफ्त में मिलने वाली शैक्षिक सेवाओं के लिए रिश्वत या धोखाधड़ी की फीस का भुगतान करना चाहिए, तो यह गरीब छात्रों को नुकसान में डालता है और शिक्षा के लिए समान पहुंच को कम करता है।

भ्रष्टाचार-विरोधी सुधार के लिए सेक्टर-विशिष्ट दृष्टिकोण हितधारकों को भ्रष्ट व्यवहार के विशिष्ट उदाहरणों और उन्हें अंतर्निहित प्रोत्साहन को लक्षित करने में सक्षम बनाते हैं। चिकित्सकों को शिक्षा भ्रष्टाचार का मानचित्र तैयार करने, हितधारकों के साथ काम करने, प्राथमिक समस्याओं की पहचान करने और शमन रणनीतियों को लागू करने और कार्यान्वित करने में मदद करने के लिए कई प्रकार के उपकरण उपलब्ध हैं।

FOCUS ACADEMY AHMEDABAD 9099818013 8780038581
TUITION CLASSES FOR PRIMARY, 9 TO 12 ENGLISH & GUJARATI MEDIUM
(FOR GETTING NOTES OF ANY SUBJECT ANY CHAPTER PDF FREE MSG US ON ABOVE MENTION NUMBERS)